इंगलैण्ड का इतिहास, Hons. Paper-II

Q. ग्लैडस्टोन की उपलब्धियों का मूल्यांकन करें।

Ans → ग्लैडस्टोन एक कुशल तथा प्रसिद्ध प्रधानमंत्री था। वह अपनी योग्यता के बल पर चार बार प्रधानमंत्री बना। वह अपने मन्त्रीत्व काल में इंग्लैण्ड को बहुत ऊँचा उठाया, उसकी मान प्रतिष्ठा को देश विदेशों में खूब फैलाया। वह सर्वप्रथम सन् 1868 ई० में प्रधानमंत्री बना। 1874 ई० अर्थात् 6 साल तक इस पद पर रहा। वह एक विख्यात अर्थमन्त्री भी था। विदेश नीति की अपेक्षा गृहनीति में उसको अत्यधिक सफलता मिली थी। उसका प्रधानमंत्रीत्व काल इंगलैण्ड के इतिहास में स्वर्णयुग (Golden-age) के नाम से जाना जाता है।

★ प्रथम मंत्रित्वकाल (1868-1874) :-

ग्लैडस्टोन की घरेलू नीति और घरेलू सुधार → ग्लैडस्टोन की घरेलू नीति वास्तव में प्रशंसनीय थी। उसके घरेलू सुधार भी अति उत्तम थे। उसने अपनी घरेलू नीति के बल पर ही इतनी प्रसिद्धि प्राप्त की थी। उसकी घरेलू नीति और सुधार की निम्नलिखित विशेषताएँ थी :-

(1) Educational Reforms → ग्लैडस्टोन जब प्रधानमन्त्री बना तो सर्वप्रथम उसकी दृष्टि शिक्षा सुधार की ओर गई। शिक्षा के क्षेत्र की सभी बुराइयों को वह जड़-मूल से उखाड़ फेंकना चाहता था। यह भाग्य की बात थी कि उसको सहयोगी भी बहुत अच्छे-अच्छे मिल गये थे। उसके एक सहयोगी के नाम W.E. Foster था। शिक्षा में उसने बहुत से अच्छे-अच्छे सुधार किए। पहले शिक्षा पर चर्च का नियंत्रण था जिससे उसकी प्रगति रुकी हुई थी। चर्च ही गैर सरकारी सभी शिक्षा संस्थानों का संचालक था। ग्लैडस्टोन ने इन शिक्षण-संस्थाओं को चर्च से मुक्त कर सरकारी अनुदान (Grant) देना शुरू कर दिया।

Scanned with CamScanner

सन 1870 ई० में एक शिक्षा एक्ट पास किया गया। इस एक्ट के अनुसार सार्वजनिक संस्थाओं को यह आशा दी गई कि 12 महीने के भीतर अपनी पाठशालाएँ खोल लें, और एक साल के अन्दर नहीं खोलना हो तो सरकार पाठशाला खोल लेगी। इस तरह से सरकार ने कई नये-नये स्कूल खोल दिये। इन सभी स्कूलों को सरकारी मदद मिलने लगी। इसके बाद फौस्टर ने पाठ्य विधि बनाने, अध्यापकों को शिक्षित करने, नये स्कूल के भवनों का समुचित प्रबंध करने और शिक्षण कार्य में समता लाने के लिए बहुत से निरीक्षकों की बहाली की। इन सभी सुधारों के फलस्वरूप कुछ ही साल में प्रारंभिक शिक्षा अनिवार्य (compulsory) हो गई। इसके बाद ग्लैडस्टोन का ध्यान युनिवर्सिटीज की ओर गया। कैम्ब्रिज और ऑक्सफोर्ड विश्व विद्यालय में पहले चर्च के अनुयायी ही नाम लिखवाकर पढ़ते थे। यह वास्तव में लोगों के लिए अभिशाप था। इस बुराई को दूर करने के लिए ग्लैडस्टोन ने सन 1871 ई० में युनिवर्सिटीज ऐक्ट पास कर इन विश्वविद्यालय का द्वार सबों के लिए खोल दिया।

2) Army Reforms → इंगलैण्ड के इतिहास में ग्लैडस्टोन के सैनिक सुधार भी अद्वितीय है। ग्लैडस्टोन के सैनिक क्षेत्र में सुधार लाने का भार अपने एक सहयोगी एडवर्ड कार्डवेल के ऊपर सौंपा। उस समय इंगलैण्ड की सेना में बहुत ही त्रुटियाँ थी जिनकी झाँकी लोग सन 1857 ई० में भारतीय सिपाही विद्रोह और क्रिमियाँ की लड़ाई में देख चुके थे।

इन सभी बुराईयों को अब दूर करना था। सैनिक क्षेत्र में सर्वप्रथम Commander-in-chief के पद और शक्ति में सुधार लाया गया। कार्डवेल ने कमान्डर-इन-चीफ को युद्ध कार्यालय में बदल दिया जिससे सेना की अव्यवस्था दूर हो गई। पहले कमान्डर इन-चीफ महारानी की अधीनता में था। जिसके फलस्वरूप वह सेना का कार्य ठीक से नहीं कर पाता था। कार्डवेल ने अब कमान्डर-इन-चीफ को युद्ध मंत्री (war minister) के अधीन कर दिया, जिससे सैनिक व्यवस्था सुचारु ढंग से चलने लगी और कमान्डर-इन-चीफ स्वतंत्र होकर काम करने लगे।

3) Judicial Reforms → ग्लैडस्टोन के मन्त्रीत्वकाल में न्यायिक सुधार (Judicial Reforms) भी अत्यधिक प्रमुख है। लार्ड सैलबोर्न ने सन् 1873 ई० में एक Judicature Act पास करवाये। इस ऐक्ट के पास होने के पहले इंगलैण्ड में 8 उच्चतम न्यायालय (Supreme courts) थे। इन सभी न्यायालय में कई-कई जज थे। अधिक जजों के रहने से देश का अधिक धन व्यर्थ बर्बाद होता था। साथ ही साथ अधिक जज रहने से फैसला भी विलम्ब से हुआ करता था। इससे देश के धन और समय की बर्बादी हो रही थी। इस बुराई को दूर करने के लिए उसने सारे देश के लिए एक supreme court of Judicature की स्थापना कर दी। इस कोर्ट की सहायता के लिए High court of Justice और court of Appeal की भी स्थापना की गई और कई छोटी-मोटी अदालतों को स्थापित कर हाईकोर्ट के अधीन रख दिया गया।

4) Civil Reforms (नागरिक सुधार) → ग्लैडस्टोन के

Scanned with CamScanner

T.D.C. Part-I, Paper-II

मन्त्रीत्वकाल में ही सन् 1870 ई० में सिविल सर्विस में Competitive Examination के आधार पर नियुक्ति की व्यवस्था की गई। इससे अमीरों का एकाधिकार इस पर से समाप्त हो गया और योग्यता के आधार पर बहाली होने लगी।

5) Reforms of Ireland → ग्लैडस्टोन एक कुशल राजनीतिज्ञ था। वह आयरलैण्ड को सन्तुष्ट कर अपनी गोटी लाल करना चाहता था। आयरलैण्ड के अधिकांश लोग कैथोलिक धर्म के मानते थे, लेकिन सरकार ने वहाँ प्रोटेस्टेंट चर्च को स्थापित कर दिया था। जिससे वहाँ की जनता नाखुश थी। उन्हीं को ग्लैडस्टोन खुश करना चाहता था। इसके अतिरिक्त आयरिश लोग अपनी भूमि व्यवस्था से असन्तुष्ट थे। उनकी असन्तुष्टी को मिटाने के लिए उसने सन् 1869 ई० में Disestablishment Act तथा Disadoment Act पास कर आयरिशों को धार्मिक स्वतंत्रता दे दी जिससे सभी आयरिश लोग सन्तुष्ट हो गये। इसके बाद ग्लैडस्टोन ने सन् 1870 ई० में Iris Land Act पास कर भूमि की सारी गड़बड़ी को दूर कर दिया। अब इस Act के अनुसार बिना मुआवजा दिए हुए आयरिश किसानों की जमीन नहीं छीनी जा सकती थी। इस ऐक्ट से आयरलैण्ड के किसानों में सन्तोष की लहर फैल गई।

6.) Economic Reforms → ग्लैडस्टोन स्वयं एक बहुत बड़ा अर्थशास्त्री था। वह देश में अर्थ की सुंदर व्यवस्था करना चाहता था। उसने जीवन की दैनिक वस्तुएँ जैसे - कागज, चाय, शीशा और अन्य वस्तुओं पर से टैक्स कम कर दिया।

Scanned with CamScanner

इंगलैण्ड का इतिहास, Paper II

उसने आय कर को भी बहुत कम कर दिया। एक पाउण्ड पर केवल दो पैंस ही आय कर लगने लगा। जिससे व्यापारियों को व्यापार में बहुत सुविधा मिल गई। बहुत सी वस्तुओं पर टैक्स बिलकुल हटा दिया गया। आयात और निर्यात करों का अन्त कर दिया गया। निजी जायदादों की भाँति अचल सम्पति, मकानों और भूमियों पर टैक्स लगने लगा। ग्लैडस्टोन ने पोस्टल विभाग में भी बहुत से सुधार किये।

दूसरा मन्त्रित्वकाल (1880-1885) → ग्लैडस्टोन का दूसरा मन्त्रित्वकाल भी प्रथम मन्त्रित्वकाल की तरह की सुधारों के लिए प्रसिद्ध है। इस बार वह केवल 5 वर्ष (1880-1885) तक ही प्रधानमंत्री रहा। इस अवधि में उसने निम्नलिखित सुधार किये :—

1. Employers Liabilities Act
2. Burial Act 1880
3. Married Women's Property Act (1882)
4. Educational Act (1881)
5. Agricultural Holding Act of 1883
6. Irish Act of 1881
7. Redistribution Act of 1885

तीसरा मन्त्रित्वकाल (1886 फरवरी से 1886 अगस्त तक) → ग्लैडस्टोन तीसरी बार पुनः सात महीने के लिये प्रधान मंत्री बना। इस छोटी अवधि में भी उसने कई सुधार किये।

चौथा मन्त्रित्वकाल (1892-1894) - ग्लैडस्टोन के चौथे मन्त्रित्वकाल में, एक एक्ट पास कर पार्लियामेन्ट के चुनाव में घुस लेने की और देने की प्रथा को बन्द कर दिया। ग्लैडस्टोन ने "पेरिस कौंसिल ऐक्ट" पास किया। कुलमिलाकर इसके शासन काल में प्रजातन्त्र का काफी विकास हुआ।

Scanned with CamScanner